चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......The Hindustan Times......

दिनांक 16. 9. 2019 पृष्ठ सं. .... कॉलम ....

Finnish company Fortum joins hands with HAU to create fiber from paddy straw

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar which is dedicated to the upliftment of the farmers community has taken one more initiative by signing an MoU with Fortum India, a leading clean-energy company that provides its customers with electricity, heating and cooling as well as smart solutions to improve resource efficiency. The MoU was signed in the presence of professor K. P. Singh, vice-chancellor, CCSHAU, Hisar. On behalf of Fortum India Pvt. Ltd., Sanjay Aggarwal, managing director and on behalf of CCSHAU, director of research, Dr. S. K. Sehrawat signed the documents.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी........
दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. ....4.... कॉलम ....1-5....

माऊंट यूनम पर की 20600 फीट की चढ़ाई

विश्वविद्यालय पहुंचने पर पर्वतारोही दल के सदस्यों का किया स्वागत

पर्वतारोही अभियान दल के सदस्य चोटी पर तिरंगा व अपने विश्वविद्यालय का झंडा फहराने के बाद।

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का एक 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहोल घाटी में स्थित माऊंट यूनम (20600 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है। विश्वविद्यालय पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डा. डी.एस. दहिया ने दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र बनते ही हैं विजय होने के लिए और पूरे विश्वभर की ऊंचाइयां में परचम लहराने के लिए।

विश्वविद्यालय के माऊंटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डा. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहोल घाटी स्थित भरतपुर टैंट कलोनी पहुंचा। दल का प्रबंधन पीएच.डी. छात्र विक्रम घियल और मोहित चौधरी ने किया।

उन्होंने अपने मिशन की शुरूआत 4700 मी. की ऊंचाई से की। गौरतलब रहे कि यह ऊंचाई हमारे हिसार शहर से 20 गुना से भी अधिक है। इतने बड़े शिखर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय को इंडियन माऊंटेनरिंग फाऊंडेशन से अनुमति लेनी पड़ी। मीलों तक सिवाय बर्फ और पत्थर के अलावा और किसी भी चीज का ना होना अपने आप में रोमांच पैदा करता है। माइनस 15 डिग्री सैल्सियस तापमान व 60 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हवाओं के बीच से लगातार आगे बढ़ते रहना किसी आम आदमी के बस की बात प्रतीत नहीं होती। ठंड का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में चलते हुए भी बच्चों में रखी बोतलों में रखा पानी जमने लगा। इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो जाता है जोकि रेड लेवल जॉन में आता है। ऐसे में हर कदम बढ़ाने के लिए कई बार सांस लेना पड़ता है।

शरीर की क्षमता कई गुना घट जाती है। इसलिए दल के कुछ छात्रों को सुरक्षा कारणों से बेस कैम्प वापस लौटना पड़ा और बाकी बचे हुए दल ने 9 घंटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया। 15 घंटों तक ट्रैक करके लौटे विजय दल जिसमें 3 लड़कियां भी शामिल थी, ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6:8

60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की हवा और -15 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच माउंट यूनम की चढ़ाई कर लौटा एचएयू का दल

सिटी रिपोर्टर • शुरुआत 4700 मीटर की ऊंचाई से की। रास्ते में मीलों तक सिर्फ बर्फ और पत्थर थे। माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तापमान व 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हवाओं के बीच लगातार आगे बढ़ना आसान नहीं मगर रोमांच से भरा जरूर रहा। ठंड का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में चलते हुए बैगों में रखी बोतलों में पानी जमने लगा। ऐसा कहना रहा एचएयू के 20 पर्वतारोही दल का। दल लाहोल घाटी की माउंट यूनम की चढ़ाई करके लौटा है।

बारालाचा से होते हुए लाहोल घाटी पहुंचा दल

यूनिवर्सिटी पहुंचने पर वीसी प्रो. केपी सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने दल को बधाई दी। यूनिवर्सिटी के माउंटेनियरिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की वादियों से गुजरते हुए लाहोल घाटी स्थित भरतपुर टेंट कलोनी पहुंचा।

20600 फीट ऊंची थी पहाड़ी

पहाड़ी 20600 फीट ऊंची थी। दल ने नौ घंटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया। दल में तीन लड़कियां भी शामिल थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला....
दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4-5

माउंट यूनम पर तिरंगा फहराते एचएयू के पर्वतारोही दल के सदस्य। - अमर उजाला

एचएयू के विद्यार्थियों ने माउंट यूनम पर की सफलतापूर्वक चढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहौल घाटी में स्थित माउंट यूनम (20600 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है। इस दल में तीन लड़कियां भी शामिल थीं। विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति प्रो. केपी सिंह और छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने दल को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के माउंटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहौल घाटी स्थित भरतपुर टैंट कॉलोनी पहुंचा, जहां से इस अभियान की शुरुआत हुई। दल का प्रबंधन पीएचडी छात्र विक्रम घियल और मोहित चौधरी ने किया। उन्होंने अपने मिशन की शुरुआत 4700 मीटर की ऊंचाई से की। इस शिखर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय को इंडियन माउंटेनरिंग फाउंडेशन से अनुमति लेनी पड़ी। यहां का तापमान माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। वहीं इस ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो जाता है जो रेड लेवल जोन में आता है। ऐसी परिस्थितियों के कारण दल के कुछ छात्रों को सुरक्षा कारणों से बैस कैंप वापस लौटना पड़ा और बाकी बचे हुए दल ने नौ घंटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 18.9.2017 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 1-7

माइनस 15 डिग्री तापमान में एचएयू के पर्वतारोही दल ने माउंट यूनम पर लहराया तिरंगा

जागरण संवाददाता, हिसार : 15 घंटे की दुर्गम चढ़ाई, हाइपोथर्मियों का खतरा और पथरीले रास्तों पर होकर आखिर कार एचएयू के 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल ने लाहोल घाटी में स्थित माउंट यूनम (20600 फीट) को फतह कर ही लिया। मंगलवार को विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विवि के छात्र बनते ही हैं विजय होने के लिए और पूरे विश्वभर की ऊंचाइयों में परचम लहराने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से छात्रों को विषम परिस्थितियों में रहने व जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है।

इस दौरान छात्र कल्याण निदेशक डा. डीएस दहिया उपस्थित रहे। खास बात है कि इस दल में छात्राएं भी इस बार शामिल रहीं, वह अपने आप में अलग अनुभव दल के साथ रहा।

पर्वतारोही अभियान दल के सदस्य चोटी पर तिरंगा व अपने विश्वविद्यालय का झंडा फहराते हुए।

पर्वतारोहियों के दल के सदस्यों की जुबान में सुनिए ट्रेकिंग की पूरी कहानी

माउंटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डा. मुकेश सैनी बताते हैं कि दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहोल घाटी स्थित भरतपुर टैंट कालोनी पहुंचा, जहां से साहसिक अभियान की शुरुआत हुई। छात्रों ने मनाली से जसपा व कुल्लू से लाहोल घाटी तक के बदलते पर्वतों के प्रकारों व क्रम को भली-भांति समझा और रास्ते में सूरज ताल व दीपक ताल की खूबसूरत शांति को अपने जहन में उतारा। दल का प्रबंधन पीएचडी छात्र विक्रम घियल और मोहित चौधरी ने किया। उन्होंने अपने मिशन की शुरुआत 4700 मी. की ऊंचाई से की।

गौरतलब रहे कि यह ऊंचाई हमारे हिसार शहर से 20 गुना से भी अधिक है। इतने बड़े शिखर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय को इंडियन माउंटेनरिंग फाउंडेशन से अनुमति लेनी पड़ी। मीलों तक सिवाय बर्फ और पत्थर के अलावा और किसी भी चीज का ना होना अपने आप में रोमांच पैदा करता है। माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तापमान व 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हवाओं के बीच से लगातार आगे बढ़ते रहना किसी आम आदमी के बस की बात प्रतीत नहीं होती। ठंड का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में चलते हुए भी बैगों में रखी बोतलों में रखा पानी जमने लगा। इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर घटकर 10 फीसद से भी कम हो जाता है जोकि रेड लेवल जॉन में आता है। ऐसे में हर कदम बढ़ाने के लिए कई बार सांस लेना पड़ता है और शरीर की क्षमता कई गुना घट जाती है। इसी लिए दल के कुछ छात्रों को सुरक्षा कारणों से बेस कैंप लौटना पड़ा और बाकि बचे हुए दल ने नौ घंटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया। उस से भी मुश्किल था, बेइंतहा थकान के साथ नीचे वापस आना। नीचे उतरते हुए, पथरीले व बर्फीले रास्तों में महज एक घंटे का आराम भी हाइपोथर्मिया के कारण जानलेवा हो सकता था। पंद्रह घंटों तक ट्रैक करके लौटे विजय दल, जिसमें तीन लड़कियां भी शामिल थीं, ने नया कीर्तीमान स्थापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि भूमि........

दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. ....14.... कॉलम ....6.8....

हकृवि पर्वतारोही दल ने माउंट यूनम को किया फतह

- लाहौल घाटी में 20 हजार 600 फुट ऊंची चोटी पर चढ़ाई करके लौटा दल

हिसार। हकृवि का 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहौल घाटी में स्थित माउंट यूनम 20600 फीट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है। विश्वविद्यालय पहुंचने पर विवि कुलपति प्रो.केपी सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि हकृवि के छात्र बनते ही हैं विजय होने के लिए और पूरे विश्वभर की ऊंचाईयों में परचम लहराने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से छात्रों को विषम परिस्थितियों में रहने व जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है। विश्वविद्यालय के माउंटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहौल घाटी स्थित भरतपुर टैंट कलोनी पहुंचा। छात्रों ने इस मनाली से जस्पा व कुल्लू से लाहौल घाटी तक के बदलते पर्वतों के प्रकारों व क्रम को भली-भांति समझा और रास्ते में सूरज ताल व दीपक ताल की खूबसूरत शांति को अपने जहन में उतारा। दल का प्रबंधन पीएचडी छात्र विक्रम धियल और मोहित चौधरी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नभ छोर......

दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. ....7.... कॉलम ....1-8....

माऊंट यूनम पर तिरंगा लहराकर हकृवि दल वापस लौटा

हिसार/17 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का एक 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहोल घाटी में स्थित माऊंट यूनम (20600 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है। विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति प्रो.केपी सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र बनते ही हैं विजय होने के लिए और पूरे विश्वभर की ऊंचाईयां में परचम लहराने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से छात्रों को विषम परिस्थितियों में रहने व जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है। विश्वविद्यालय के माऊंटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहोल घाटी स्थित भरतपुर टैंट कॉलोनी पहुंचा। जहां से साहसिक अभियान की शुरूआत हुई।

छात्रों ने मनाली से जसपा व कुल्लू से लाहोल घाटी तक के बदलते पर्वतों के प्रकारों व क्रम को भली-भांति समझा और रास्ते में सूरज ताल व दीपक ताल की खूबसूरत शांति को अपने जहन में उतारा। दल का प्रबंधन पीएचडी छात्र विक्रम बियल और मोहित चौधरी ने किया। उन्होंने अपने मिशन की शुरूआत 4700मी. की ऊंचाई से की। गौरतलब रहे कि यह ऊंचाई हमारे हिसार शहर से 20 गुना से भी अधिक है। इतने बड़े शिखर पर चढ़ने के लिए इंडियन माऊंटेनरिंग फाउंडेशन से अनुमति लेनी पड़ी। मीलों तक सिवाय बर्फ और पत्थर के अलावा और किसी भी चीज़ का ना होना अपने आप में रोमांच पैदा करता है। माइनस 15 डिग्री सैल्सियस तापमान व 60 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हवाओं के बीच से लगातार आगे बढ़ते रहना किसी आम आदमी के बस की बात प्रतीत नहीं होती। ठंड का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में चलते हुए भी बैगों में रखी बोतलों में रखा पानी जमने लगा। इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो जाता है जोकि रेड लेवल जोन में आता है। ऐसे में हर कदम बढ़ाने के लिए कई बार सांस लेना पड़ता है। और शरीर की क्षमता कई गुणा घट जाती है। इसी लिये दल के कुछ छात्रों को सुरक्षा कारणों से बैस कैम्प वापिस लौटना पड़ा और बाकि बचे हुए दल ने नौ घंटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया। शरीर का हर कतरा-कतरा जान लगाकर शिखर पर पहुंचना, किसी अतुल्य चुनौती से कम नहीं होता। और उस से भी मुश्किल था बेहइन्तहां थकान के साथ नीचे वापिस आना। नीचे उतरते हुए, पत्थरीले व बर्फीले रास्तों में महज एक घंटे का आराम भी हाइपोथर्मिया के कारण जानलेवा हो सकता था। पंद्रह घंटों तक ट्रैक करके लौटे विजय दल जिसमें तीन लड़कियां भी शामिल थी, ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. ....3..... कॉलम ....1-3.....

एचएयू का 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल माउंट यूनम की चढ़ाई कर लौटा

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का एक 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहौल घाटी में स्थित माऊंट यूनम (20600 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.के.पी. सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दहिया ने दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र बनते ही है विजय होने के लिए और पूरे विश्वभर की ऊचाईंयां में परचम लहराने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से छात्रों को विषम परिस्थितियों में रहने व जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है। विश्वविद्यालय के माऊंटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहौल घाटी स्थित भरतपुर टैंट कलोनी पहुंचा। जहां से साहसिक अभियान की शुरूआत हुई। छात्रों ने इस मनाली से जसपा व कुल्लू से लाहौल घाटी तक के बदलते पर्वतों के प्रकारों व क्रम को भली-भांति समझा और रास्ते में सूरज ताल व दीपक ताल की खूबसूरत शांति को अपने जहन में उतारा। दल का प्रबंधन पीएचडी छात्र विक्रम बिष्ट और मोहित चौधरी ने किया।

हिसार। पर्वतारोही दल के सदस्य कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ।

उन्होंने अपने मिशन की शुरूआत 4700मी. की ऊचाईं से की। इतने बड़े शिखर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय को इंडियन माऊंटेनरिंग फाउंडेशन से अनुमति लेनी पड़ी। मीलों तक सिवाय बर्फ और पत्थर के अलावा और किसी भी चीज़ का ना होना अपने आप में रोमांच पैदा करता है। माइनस 15 डिग्री सैल्सियस तापमान व 60 किलो मीटर प्रति घंटे की रफतार से चलती हवाओं के बीच से लगातार आगे बढ़ते रहना किसी आम आदमी के बस की बात प्रतीत नहीं होती। ठंड का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में चलते हुए भी बैगो में रखी बोतलों में रखा पानी जमने लगा। इतनी ऊचाईं पर ऑक्सीजन का स्तर घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो जाता है जोकि रेड लेवल जॉन में आता है। ऐसे में हर कदम बढ़ाने के लिए कई बार सांस लेना पड़ता है। नीचे उतरते हुए, पत्थरीले व बर्फीले रास्तों में महज एक घंटे का आराम भी हाइपोथर्मिया के कारण जानलेवा हो सकता था। पंद्राह घंटों तक ट्रैक करके लौटे विजय दल जिसमें तीन लड़कियां भी शामिल थी, ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

'भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी कल से

संगोष्ठी में देश के विभिन्न विवि के लगभग 69 कुलपति लेंगे हिस्सा

माई सिटी रिपोर्टर

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितंबर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं, उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2016 से देश के कृषि विवि की रैंकिंग शुरू की है।

एनआईआरएफ में तीन साल (पुरस्कार वर्ष को छोड़कर), जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मेसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थाओं के सुचारु संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है।

पांच समूहों में वर्गीकृत किया फ्रेमवर्क

वीसी ने बताया कि फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है और इन समूहों को निश्चित महत्व दिया जाता है। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिसोंसिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टेसिज, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इनक्लूसीवीटी तथा प्रसेप्शन शामिल हैं। इस रैंकिंग में बड़े पैमाने पर संसाधन और व्यक्तिगत प्रदर्शन का आंकलन किया जाता है। संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे और भविष्य के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 6-8

एचएयू में कल 69 कुलपति करेंगे बैठक रैंकिंग मानकों में बदलाव पर होगी चर्चा

जागरण संवाददाता, हिसार : एचएयू द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितंबर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालय के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालय को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वूपर्ण कार्य जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं, उनको भी शामिल करने तथा एनआइआरएफ और आइसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालय के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। गौरतलब है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालय की रैंकिंग शुरू की है। एनआइआरएफ में तीन साल जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

एचएयू का मुख्य द्वार।

- संगोष्ठी में पहली बार देश से एचएयू में इतने विवि के कुलपति करेंगे प्रतिभाग

5 समूहों में बांटा जाता है फ्रेमवर्क को

एनआइआरएफ में विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मेसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है। फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के तहत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिर्सोसिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टेसिज, ग्रेजुएशन आऊटकम, आऊटरीच एंड इन्कलूसीवीटी तथा परसेपशन शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. ..... 4 ..... कॉलम ..... 7-8 .....

देश के 69 विश्वविद्यालयों के कुलपति हिसार में बनाएंगे रैंकिंग पर रणनीति

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितम्बर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे। संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अपना दृष्टिकोण सांझा करेंगे तथा भविष्य के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एन.आई.आर.एफ. और आई.सी.ए.आर. रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भूमि .....

दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. ..... 2 ..... कॉलम ..... 2.3 .....

हकृवि में रैंकिंग को लेकर राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

हिसार। हकृवि द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितंबर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विवि के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वूपर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं। उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी। गौरतलब है कि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय एमएचआरडी ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क एनआईआरएफ पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है। जबकि आईसीएआर ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में तीन साल जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति दृष्टिकोण सांझा करेंगे व भविष्य की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नभ छोर......
दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. ......6...... कॉलम ......6:8......

कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हकृवि में 19 से

हिसार/17 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितम्बर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वूपर्ण कार्यो जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में तीन साल (पुरस्कार वर्ष को छोड़कर) जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों , महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मेसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है। फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है और इन समूहों को निश्चित महत्व दिया जाता है। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिर्सोसिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टेसिज, ग्रेजुएशन आऊटकम, आऊटरीच एंड इनकलूसीवीटी तथा परसेपशन शामिल है। इस रैंकिंग में बड़े पैमाने पर संसाधन और व्यक्तिगत प्रदर्शन का आंकलन किया जाता है। परन्तु कई बार कृषि विश्वविद्यालयों के कई महत्वपूर्ण पहलुओं और भिन्न-भिन्न तरह के योगदानों जैसे कृषि विज्ञान केंद्र, (केवीके), बीज उत्पादन और कृषि विश्वविद्यालयों की प्रौद्योगिकी के योगदान, विश्वविद्यालय प्रकाशन व प्रथम पंक्ति प्रदर्शन जैसे अन्य कार्यों को सम्मलित नहीं किया जाता है। संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अपना दृष्टिकोण सांझा करेंगे तथा भविष्य के लिए रूपरेखा तैयार की जायेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 5-8

हकृवि में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर संगोष्ठी 19 से

संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितम्बर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में तीन साल (पुरस्कार वर्ष को छोड़कर) जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मेसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है। फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है और इन समूहों को निश्चित महत्व दिया जाता है। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिसेज, ग्रेजुएशन आऊटकम, आऊटरीच एंड इनक्लूसीविटी तथा परसेपशन शामिल है। इस रैंकिंग में बड़े पैमाने पर संसाधन और व्यक्तिगत प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। परन्तु कई बार कृषि विश्वविद्यालयों के कई महत्वपूर्ण पहलुओं और भिन्न-भिन्न तरह के योगदानों जैसे कृषि विज्ञान केंद्र, (केवीके), बीज उत्पादन और कृषि विश्वविद्यालयों की प्रौद्योगिकी के योगदान, विश्वविद्यालय प्रकाशन व प्रथम पंक्ति प्रदर्शन जैसे अन्य कार्यों को सम्मलित नहीं किया जाता है।

संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे तथा भविष्य के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... दैनिक हिसार ....

दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6-8

भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 19 से

हकृवि में होगा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन : प्रो. के पी सिंह

हिसार : 17 सितम्बर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितम्बर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में तीन साल (पुरस्कार वर्ष को छोड़कर) जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मेसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है। फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है और इन समूहों को निश्चित महत्व दिया जाता है। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टेसिज आदि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-8

खेल

एचएयू में शुरू हुई इंटर कॉलेज क्रिकेट चैंपियनशिप, पहले मुकाबले में एग्रीकल्चर कॉलेज कौल की हार

बेसिक साइंस कॉलेज और एग्रीकल्चर इंजीनियरिग कॉलेज ने जीते मैच

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में मंगलवार से इंटर कॉलेज क्रिकेट चैंपियनशिप शुरू हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व रणजी खिलाड़ी गीताराम गोयल ने किया। पहले दिन दो मैच खेले गए। पहले मुकाबले में बेसिक साइंस कॉलेज ने एग्रीकल्चर कॉलेज कौल को हराया। वहीं दूसरे मुकाबले में एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज ने डेयरी साइंस कॉलेज लुवास को मात दी।

बुधवार को एग्रीकल्चर कॉलेज हिसार व हॉर्टिकल्चर कॉलेज और वेटरनेरी कॉलेज लुवास व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल के बीच होगा। इस मौके पर डॉ. सुशील लेघां, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. मनेंद्र, डॉ. मुकेश दुहन, ओपी भादू, रमेश चौधरी, सुंदरपाल, निर्मल सिंह आदि मौजूद रहे।

एचएयू में क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान गेंद को हिट करने का प्रयास करता एग्रीकल्चर कॉलेज कौल की टीम का बल्लेबाज। - अमर उजाला

कैप्टन की धमाकेदार पारी ने निभाई जीत में अहम भूमिका : पहला मुकाबला बेसिक साइंस कॉलेज और एग्रीकल्चर कॉलेज कौल के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बेसिक साइंस कॉलेज की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाए। इस दौरान टीम के कैप्टन संदीप ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। संदीप ने 49 गेंदों में 76 रन बनाए। बल्लेबाज सतीश ने 28 गेंदों में 27 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदार पारी के कारण ही टीम एक बढ़िया स्कोर बना सकी। कौल की तरफ से गेंदबाज शेखर ने 20 रन देकर तीन और योगेश ने 31 रन देकर दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कौल की पूरी टीम 95 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के बल्लेबाज अंकित ने सर्वाधिक 14 रन बनाए। वहीं गेंदबाज सतीश ने शानदार बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी का भी प्रदर्शन किया। सतीश ने तीन ओवर में 13 रन देकर चार विकेट और अजय ने दो ओवर में 18 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

गेंदबाजों की बदौलत जीता एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज

दूसरा मुकाबला एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज एचएयू व डेयरी साइंस कॉलेज लुवास के बीच खेला गया। डेयरी साइंस कॉलेज की टीम ने पहले बल्लेबाजी की। मगर टीम का कोई भी खिलाड़ी बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर सका और पूरी टीम मात्र 37 रन के स्कोर पर पैवेलियन लौट गई। इंजीनियरिंग कॉलेज के गेंदबाज जसमीत सिंह ने पांच रन देकर तीन विकेट और कन्हैया ने नौ रन देकर तीन विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी इंजीनियरिंग कॉलेज ने यह स्कोर बिना कोई विकेट खोकर मात्र 3.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। टीम के बल्लेबाज सुमित ने 12 और अजय ने 19 रन बनाए।